

संस्कारों का करें जतन, पाएंगे स्वर्णिम वतन

सेवाकेन्द्र के 40वें वार्षिकोत्सव पर 'मास मेडिटेशन' कार्यक्रम का आयोजन



कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. संतोष, बिहार के पूर्व राज्यपाल डॉ.डी.वाय. पाटील, प्रदीप देशपांडे, महेश जाधव, मोहन जोशी व ब्र.कु. दशरथ।

कोल्हापुर-महा.। संस्कार परिवर्तन आवश्यक है। इसके लिए परमात्मा की होने के बाद संसार परिवर्तन होता है। श्रीमत को लेकर आगे बढ़ना है। उक्त



'मास मेडिटेशन' कार्यक्रम के दौरान राजयोग की गहन अनुभूति करते हुए ब्र.कु. भाई बहनें।

एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में पहला मास मेडिटेशन दर्ज। इसमें 26,435 लोग हुए शामिल। 20 मिनट तक 'पिन ड्रॉप साइलेंस' का गहरा अनुभव। अशांति योग से जायेगी-ब्र.कु. संतोष

विचार ब्रह्माकुमारीज की संयुक्त मुख्य प्रशासिका डॉ. दादी रतनमोहिनी ने सेवाकेन्द्र के 40वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोजित 'मास मेडिटेशन' कार्यक्रम में व्यक्त किये। क्षेत्रिय संचालिका ब्र.कु. संतोष ने

अगर भारत देश में फिर से सतयुग लाना है तो संस्कारों का जतन करना

तमोगुण बढ़ रहा है, अशांति बढ़ गई है, इन सबमें बदलाव लाना हो तो योग करना ज़रूरी है। परमात्मा से टूटी हुई आत्मिक भावना योग द्वारा जोड़ी जाये तो कलह, क्रोध से मन परिवर्तित हो सकता है। इस कार्यक्रम में देश भर से 26,435 लोग शामिल हुए। इस

कार्यक्रम की 'एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में शामिल किए जाने की भी घोषणा की गई। इस अवसर पर बिहार के पूर्व राज्यपाल डॉ.डी.वाय. पाटील, ब्रह्माकुमारीज के महाराष्ट्र व आ.प्र. की क्षेत्रिय संचालिका ब्र.कु. संतोष, जिला पुलिस अधीक्षक प्रदीप देशपांडे, भाजपा

के महेश जाधव, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के मोहन जोशी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ब्र.कु. दशरथ ने सभी को ब्रह्माकुमारीज के कार्यों से परिचित कराया। कोल्हापुर क्षेत्रिय संचालिका ब्र.कु. सुनंदा ने भी संबोधित किया।

'री-इंजीनियरिंग लाइफ' को करते सभी लाइक

मुम्बई-मुलंद। हम सबको जितना हो सके वर्तमान में ही जीना चाहिए। वर्तमान में जीने से हमें बहुत संतुष्टता प्राप्त होती है। कहते हैं कि जैसे कार को रोकने के लिए ब्रेक हमारे हाथ में

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमेशा अपना मुस्कराता हुआ चेहरा सबके सामने रखें। हमारे पास अपने आपको बदलने की ताकत है दूसरों को नहीं। साथ ही उन्होंने सभी को

अपने जीवन के प्रति समग्र दृष्टिकोण है। कहते हैं कि आज हमारा ध्यान कर्म की तरफ है न कि दृष्टि की तरफ। दादी जानकी हमेशा एक शब्द कहती हैं कि हमेशा खुश रहो। अपनी भावनाओं और

जाते हैं। जब हम जीवन के अंतिम पड़ाव पर पहुंचते हैं तो उस समय हमें आभास होता है कि हमें अपने बारे में सोचना चाहिए था। साथ ही उन्होंने कहा कि जीवन के हरेक पहलू में आध्यात्मिकता

यहाँ सवाल विनाश का नहीं है बल्कि अपने आपको परिवर्तन करने का है। ब्र.कु. गोदावरी, डायरेक्टर, ब्रह्माकुमारीज, मुलंद सबजोन ने कहा कि जब हर एक बदल जाएगा तो



कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. मोहन सिंघल, संजीव जयसवाल, रतन कुमार सिन्हा, डॉ. शरद काले, ब्र.कु. गोदावरी, डॉ. राजकुमार कोल्हे व अन्य।

होता है, उसी प्रकार से हमारे पास अपने विचारों को रोकने और दोबारा शुरू करने की ताकत है। उक्त विचार साइंटिस्ट्स व इंजीनियर्स के लिए गडकरी रंगायतन, ठाणे में 'री-इंजीनियरिंग लाइफ' विषय पर आयोजित सम्मेलन की शुरुआत करते हुए प्रो. ई.वी. गिरीश ने व्यक्त किये।

एक्सरसाइज़ भी कराया। ब्र.कु. मोहन सिंघल, प्रोजेक्ट डायरेक्टर एंड नेशनल कोऑर्डिनेटर, एस.ई.डब्ल्यू ने दादी जानकी के 100 वर्ष की आयु प्राप्त करने और अभी तक अपने आपको तंदुरुस्त और ऊर्जावान रखने का संदर्भ देते हुए कहा कि आज भी वो उत्साह में रहती हैं क्योंकि उनका

कर्म का संतुलन तथा अपने आपका निरीक्षण ही मनुष्य की समस्याओं का समाधान है। संजीव जयसवाल, म्युनिसिपल कमिश्नर, थाणे ने कहा कि हमें अपने आप से प्यार करना चाहिए। अपनी तुलना किसी और से नहीं करनी चाहिए वरना हम अपनी खुद की नज़र में गिर

इस सेमिनार से निकले प्रमुख बिन्दु

- जितना हो सके जीयें वर्तमान में
- उमंग-उत्साह से जीवन तंदुरुस्त
- हमेशा रहो खुश, यही मर्म है
- अपने आप से करो प्यार
- स्वयं का निरीक्षण सभी समस्याओं का हल
- भगवान साथी, तो समस्या नहीं आती

शामिल है।

रतन कुमार सिन्हा, पूर्व चेयरमैन, एटॉमिक एनर्जी कमीशन ने अपने भाषण में कहा कि हमारे पास विश्व का बहुत सारा ज्ञान होते हुए भी आज खुशी नहीं है। विश्व के अनेकानेक ज्ञान के साथ-साथ हमें आध्यात्मिक ज्ञान भी लेना ज़रूरी है।

डॉ. शरद काले, प्रो. एंड साइंटिस्ट, भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर ने अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि मुम्बई को भी माउण्ट आबू की तरह होना चाहिए।

वातावरण अपने आप बदल जाएगा। भगवान ने हम सबको सोचने, समझने और महसूस करने व परिवर्तन करने की असीम शक्ति दी है। हम अपने जीवन को पुनः बदल सकते हैं भगवान के ज्ञान और ध्यान से। बस रोज हमको अपने जीवन पर 15-20 मिनट खर्च करने होंगे और भगवान हमको निश्चित रूप से हर समस्याओं का समाधान देगा। डॉ. राजकुमार कोल्हे, प्रेसीडेंट, वंदे मातरम कॉलेज ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510, सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये। विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)

Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 15th March 2016

संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।